स्पेसएक्स

टाइम्स ऑफ इंडिया, (03 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में स्पेसएक्स ने कैलिफोर्निया के वांडेनबर्ग एयरफोर्स बेस से एक साथ 64 उपग्रह प्रक्षेपित किये।
- किसी भी अमेरिकी कंपनी द्वारा एक साथ इतने उपग्रह प्रक्षेपित करने में यह एक नया रिकॉर्ड है।
- सबसे ज्यादा उपग्रह प्रक्षेपित करने के मामले में अब वह भारत के बाद दूसरे स्थान पर है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फरवरी, 2017 में 104 उपग्रह प्रक्षेपित कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले रूस 37 उपग्रह लॉन्च करके दूसरे स्थान पर था।

क्या है?

- स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन (स्पेसएक्स) अंतरिक्ष अनुसंधान इकाई के रूप में व्यवसाय कर रहा है।
- यह एक निजी अमेरिकी एयरोस्पेस निर्माता और अंतरिक्ष परिवहन सेवा प्रदाता कंपनी है जिसका मुख्यालय हैथॉर्न, कैलिफोर्निया में है।
- वर्ष 2002 में अंतरिक्ष परिवहन लागत को कम करने और मंगल ग्रह की जानकारियों को जुटाने में अहम भूमिका निभा रहे स्पेस एक्स की स्थापना उद्यमी एलन मस्क ने की थी।
- स्पेस एक्स ने फाल्कन रॉकेट और ड्रैगन अंतरिक्ष यान विकसित किया है, जो वर्तमान में पृथ्वी कक्षा में पेलोड वितरित करता है।

मुख्य बिंदु

- स्पेसएक्स ने फॉल्कन-9 रॉकेट की मदद से एक साथ 64 उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं।
- अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी ने उपग्रहों के प्रक्षेपण में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए तीसरी बार रीसाइकिल्ड बूस्टर का इस्तेमाल कर रॉकेट प्रक्षेपित किया।
- कैलिफोर्निया की कंपनी स्पेसएक्स ने ऐसे 30 से अधिक बूस्टर धरती पर वापस बुलाए हैं और अब उनका पुन:प्रयोग कर रही है।

मेकेदातु बाँध परियोजना

इंडियन एक्सप्रेस, (03 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ई.के. पलानिस्वामी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कर्नाटक की मेकेदातु बाँध परियोजना के लिए चल रहे साध्यता-सम्बन्धी अध्ययन को रोक दिया जाए।
- इस अध्ययन पर केन्द्रीय जल आयोग (CWG) ने अपनी अनुमति दे रखी है और उसने विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन माँगा है।

क्या है?

- यह कर्नाटक सरकार की एक परियोजना है जो मेकेदातु में चलाई जायेगी। यह स्थान कर्नाटक के रामनगरम जिले में कावेरी नदी के तट पर है।
- इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलुरु को पेयजल मुहैया करना और इस क्षेत्र के भूगर्भ जल के स्तर को ऊँचा करना है।

विवाद

- तमिलनाडु को इस परियोजना पर आपत्ति है जिसको लेकर उसने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दी है।
- इस राज्य का मुख्य तर्क यह है कि यह परियोजना कावेरी नदी जल पंचाट के अंतिम निर्देश का उल्लंघन करता है और प्रस्तावित दो जलाशयों के निर्माण के कारण कृष्णराज सागर तथा कावेरी

जलाशय के नीचे के निकटवर्ती नदी क्षेत्र तथा कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित बिल्लिगुन्दुलू (Billigundulu) में जलप्रवाह को अवरुद्ध कर देगा।

- दूसरी ओर कर्नाटक का कहना है कि यह प्रस्तावित परियोजना तमिलनाडु को दिए जाने वाले जल की निश्चित मात्रा को छोड़ने में आड़े नहीं आएगी और न ही इसका उपयोग सिंचाई के लिए किया जाएगा।

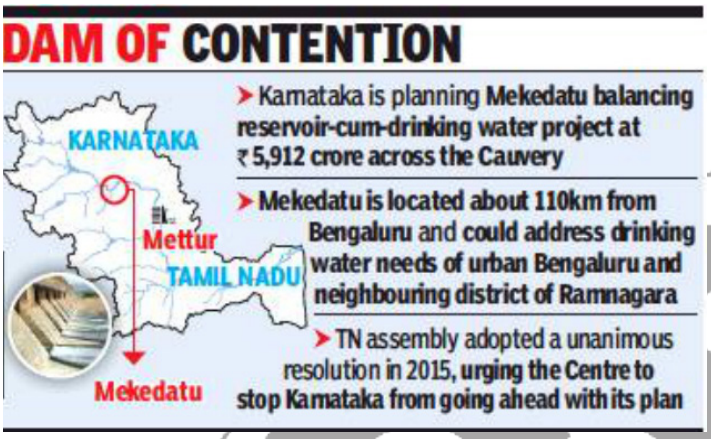

CWC क्या है?

- केन्द्रीय जल आयोग जल संसाधन से सम्बंधित एक मूर्धन्य तकनीकी निकाय है जो जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय के तहत आता है।
- CWC का अध्यक्ष चेयरमैन कहलाता है जो भारत सरकार के पदेन सचिव के स्तर का होता है।
- आयोग का कार्य सम्बंधित राज्य सरकारों के साथ विमर्श कर देश-भर में जल संसाधनों के नियंत्रण, संरक्षण एवं उपयोग के लिए आवश्यक योजनाओं को आरम्भ करना, उनका समन्वयन करना और उन्हें आगे बढ़ाना है।
- आवश्यकता के अनुसार यह आयोग ऐसी योजनाओं की छानबीन, निर्माण तथा क्रियान्वयन को भी अपने हाथ में लेता है।

रेगे संगीत शैली

द गार्डियन, (03 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने रेगे संगीत शैली (reggae) को उन सांस्कृतिक संस्थानों की सूची में जोड़ दिया है जो सुरक्षा एवं संरक्षण के पात्र हैं।

पृष्ठभूमि

- प्रतिवर्ष यूनेस्को अमूर्त मानव संस्कृति धरोहरों की सूची में नई धरोहरों को शामिल करता जोड़ता है।
- इस बार जमैका ने इस सूची के लिए अपनी संगीत शैली रेगे का प्रस्ताव भेजा था।
- इसके चयन के साथ अब तक ऐसी 300 अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सूचीबद्ध हो चुकी हैं, जिनमें बहुत सारे संगीत की धरोहरें हैं जैसे- डोमिनिकन का मेरेंग्वे, स्लोवाक का बैगपाइप और वियतनाम का जोआन।

क्या है रेगे?

- रेगे जमैका की एक संगीत-शैली है जिसका उद्गम समाज के वंचित लोगों के संगीत से हुआ है। ये लोग मुख्य रूप से पश्चिमी किंग्स्टन में रहते हैं।
- अब यह संगीत वंचितों का संगीत न रहकर सार्वभौम संगीत हो गया है जिसे विभिन्न लिंग, नस्लें और धार्मिक समूह अपना चुके हैं।

सांस्कृतिक धरोहर सूची

- यह एक प्रतिष्ठित सूची है जिसमें अमूर्त धरोहरें शामिल होती हैं और जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को दिखलाती है एवं इसके महत्त्व के बारे में जागरूकता पैदा करती है।
- यह सूची 2008 में पहली बार बनी थी जब अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षा संधि लागू हुई थी।
- इस सूची के दो भाग हैं - I) अमूर्त मानव सांस्कृतिक धरोहर की सूची जो किसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है II) ऐसी अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर जिनको तुरंत सुरक्षित करने की आवश्यकता है।

चीफ ऑफ स्टॉफ समिति

द हिन्दू, (03 Dec.)

संदर्भ

- भारत की तीनों सेनाओं ने चीफ ऑफ स्टॉफ समिति (PCCoSC) के लिए एक स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की है।
- इसके लिए एक प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को विचारार्थ भेजा है।

क्या हैं ये?

- यह अध्यक्ष सरकार के सैनिक परामर्शदाता होते हैं जो तीनों सेनाओं की ओर से नियुक्त होते हैं।
- ये चार तारों वाले अधिकारी होते हैं जो थल, वायु और नौसेना के प्रमुखों के समकक्ष होते हैं।

पृष्ठभूमि

- एक मंत्री समूह (GoM) 2001 के फरवरी में सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत किया था जिसमें चीफ ऑफ स्टॉफ समिति के गठन की अनुशंसा की थी।
- मई, 2011 में गठित नरेश चन्द्र कार्य दल ने राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंध प्रणाली की समीक्षा की थी और यह अनुशंसा की थी कि चीफ ऑफ स्टॉफ समिति का अध्यक्ष स्थायी होना चाहिए।

स्थायी अध्यक्ष क्यों?

- तीनों सेनाओं के मध्य बेहतर समन्वय और सहयोग के लिए।
- सरकार एक व्यक्ति से सभी प्रकार के सैन्य परामर्श प्राप्त कर सके।
- रक्षा की दीर्घकालिक योजना बनाने और क्रय-प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए।

अध्यक्ष के कार्य

- अध्यक्ष सेना से सम्बन्धित संयुक्त मामलों को देखेंगे, जैसे - सैनिकों का प्रशिक्षण, हथियारों का क्रय और संयुक्त सैन्य कार्रवाई।
- वे अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के कमांडर होंगे। इसने हाथ में आणविक हथियारों का भी कमांड होगा तथा साथ ही भविष्य में संभव होने वाले साइबर और अन्तरिक्ष का कमांड भी उनके प्रभार में रहेगा।

जलवायु परिवर्तन की समस्या

द हिन्दू, (04 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने एक "चर्चा पत्र" निर्गत किया है।
- इसमें यह आलोचना की गई है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के लिए विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को दिए जाने वाले धन देने से सम्बंधित हिसाब-किताब सही ढंग से नहीं किया जा रहा है।

क्या है विवाद?

- विकसित देशों से 2019 में यह अपेक्षा की जाती है कि वे 2010 के कानकुन समझौते के अनुरूप विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के लिए प्रतिवर्ष 100 बिलियन डॉलर दिए जाएँगे।
- 2016 में विकसित देशों ने यह दावा किया था कि वे 2013-14 तक 41 बिलियन डॉलर इस संदर्भ में दे चुके हैं। लेकिन 2015 में ही भारत ने इस हिसाब को नहीं माना था और कहा था कि मात्र 2.2 बिलियन डॉलर ही दिए गये।
- भारत के अनुसार 2017 में भी यही हाल था और वस्तुतः अभी तक 100 बिलियन डॉलर की राशि में से 12% ही भुगतान हुए।

क्या कहा भारत ने?

- भारत का कहना है कि जलवायु वित्त पोषण की जो परिभाषा UNFCCC में दी गई है वह सटीक नहीं है और अपूर्ण है।
- हरित जलवायु कोष (Green Climate Fund - GCF) में मात्र 10.3 बिलियन देने का ही वायदा हुआ था।
- सम्पूर्ण जलवायु वित्तपोषण का अधिकांश भाग कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में ही चला गया है।
- वास्तविकता यह है कि जलवायु से सम्बन्धित वित्तपोषण में वृद्धि नहीं हुई है अपितु 2014-15 के 24% से घटकर यह 2015-16 में 14% रह गया है।

हरित जलवायु कोष (GCF) क्या है?

- हरित जलवायु कोष की स्थापना 2010 में विकसित देशों से धन लेकर विकासशील देशों को मुहैया करवाने के विषय में UNFCCC (United Nations Framework Convention on Climate Change) के द्वारा विकसित वित्तीय प्रणाली के तहत जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित संकट को कम करने के लिए की गई थी।
- यह 2015 में हस्ताक्षरित पेरिस जलवायु समझौते का एक प्रमुख अंग था।

कार्य

- GCF का मुख्य कार्य विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित परियोजनाओं, कार्यक्रमों, नीतियों एवं अन्य गतिविधियों के लिए कोष की व्यवस्था करना है।
- इसका लक्ष्य है 2020 तक जलवायु के लिए 100 बिलियन डॉलर की राशि जमा करना।
- यह कोष ऐसे विकास को बढ़ावा देता है जिसमें उत्सर्जन कम हो और जिसमें जलवायु परिवर्तन को झेलने की क्षमता हो।

- यह कोष उन विकासशील देशों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखता है जहाँ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव होने की सम्भावना अधिक रहती है।

जीसैट-11 का सफल प्रक्षेपण

द हिन्दु, (04 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत के सबसे वजनी सैटेलाइट जीसैट-11 का फ्रेंच गुयाना से एरियनस्पेस रॉकेट की मद्द से सफल प्रक्षेपण किया गया।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि जीसैट-11 का सफल प्रक्षेपण देश में ब्रॉडबैंड सेवा को और बेहतर बनाने में मदद करेगा।
- दक्षिण अमेरिका के पूर्वोत्तर तटीय इलाके में स्थित फ्रांस के अधिकार वाले भूभाग फ्रेंच गुयाना के कौरू में स्थित एरियन प्रक्षेपण केन्द्र से भारतीय समयानुसार तड़के दो बजकर सात मिनट पर रॉकेट ने उड़ान भरी।
- एरियन-5 रॉकेट ने सफलतापूर्वक लगभग 33 मिनट में जीसैट-11 को उसकी कक्षा में स्थापित कर दिया।
- आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से उसे जियोस्टेशनरी (भूस्थिर) कक्षा में भेजा जाएगा। जियोस्टेशनरी कक्षा की ऊंचाई भूमध्य रेखा से करीब 36,000 किलोमीटर होती है।

आवश्यकता क्यों?

- जीसैट-11 इसरो के इंटरनेट बेस्ड सैटेलाइट सीरीज का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य इंटरनेट की गति को बढ़ाना है।
- इसके तहत अंतरिक्ष में तीन सैटेलाइट भेजे जायेंगे। इसमें से पहला सैटेलाइट 19 जून, 2017 में भेजा जा चुका है और तीसरा सैटेलाइट इस साल के आखिरी में अथवा अगले वर्ष आरंभ में लॉन्च किया जा सकता है।
- जीसैट-11 से साइबर सुरक्षा मजबूत होगी और इससे एक नया सुरक्षा कवच मिलेगा तथा भारत का बैंकिंग सिस्टम भी मजबूत होगा।

विशेषताएं

- जीसैट-11 उपग्रह का वजन 5.8 टन है तथा इसकी कुल लागत 1117 करोड़ रुपये है।
- इसका प्रत्येक सौर पैनल 4 मीटर से भी बड़ा है तथा यह 11 किलोवाट ऊर्जा का उत्पादन करेगा।
- सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से भारत के पास अपना स्वयं का सैटेलाइट आधारित इंटरनेट होगा।
- सैटेलाइट आधारित इंटरनेट से हाई स्पीड कनेक्टिविटी बढ़ जाएगी।
- जीसैट-11 अगली पीढ़ी का 'हाई थ्रोपुट' संचार उपग्रह है। इसका जीवनकाल 15 साल से अधिक से ज्यादा का है।
- इसे पहले 25 मई को प्रक्षेपित किया जाना था लेकिन इसरो ने अतिरिक्त तकनीकी जांच के कारण इसके प्रक्षेपण का कार्यक्रम बदल दिया था।
- जीसैट-11 को जियोस्टेशनरी कक्षा में 74 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रखा जाएगा। उसके बाद उसके दो सौर एरेज और चार एंटिना रिफ्लेक्टर भी कक्षा में स्थापित किए जाएंगे।
- कक्षा में सभी परीक्षण पूरे होने के बाद उपग्रह काम करने लगेगा।
- जीसैट-11 भारत की मुख्य भूमि और द्वीपीय क्षेत्र में हाई-स्पीड डेटा सेवा मुहैया कराने में मद्दगार साबित होगा। उसमें के.यू. बैंड में 32 यूजर बीम जबकि के.ए. बैंड में आठ हब बीम लगाए हैं।

Cop-24

टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, (04 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में पोलैंड के कैटोविस नगर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु

परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों का 24वाँ सम्मेलन (COP-24) सम्पन्न हुआ।

- इस सम्मलेन में एक भारतीय पैविलियन भी लगाया गया जिसके उद्घाटन में भारत सरकार के पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सम्मिलित हुए।
- भारतीय पैविलियन की थीम थी – "एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड/"One World One Sun One Grid"।
- वैश्विक जलवायु से सम्बंधित कार्यकलाप के लिए भारत के नेतृत्व को विश्व सराहता है।
- इसी क्रम में इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "चैंपियन ऑफ दी अर्थ पुरस्कार" दिया था।
- यह पुरस्कार उनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सौर संघ को आगे बढ़ाने तथा भारत को 2022 तक प्लास्टिक-मुक्त करने के उनके संकल्प के लिए दिया गया था।

COP क्या है?

- COP संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढाँचे (UNFCCC) से सम्बंधित पक्षकारों के सम्मेलन को कहते हैं।
- यह संस्था UNFCCC के प्रावधानों के कार्यान्वयन और उसकी समीक्षा सुनिश्चित करता है।

UNFCCC क्या है?

- UNFCCC एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विषयक संधि है जो 21 मार्च, 1994 से लागू है। अब इसमें विश्व के लगभग सभी देश सदस्य बन चुके हैं।
- दिसम्बर, 2015 तक इसमें 197 सदस्य हो गये थे।
- इस संधि का उद्देश्य जलवायु प्रणाली में मानव के खतरनाक हस्तक्षेप को रोकना है।

जलवायु परिवर्तन हेतु 200 बिलियन डॉलर का निवेश

बिजनेस लाइन, बिजनेस स्टैण्डर्ड, (04 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए निवेश बढ़ाने की घोषणा की है।
- विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2021-25 के लिए जलवायु परिवर्तन की मुसीबत से निपटने के लिए फंडिंग को दोगुना करने का निर्णय लिया है।
- विश्व बैंक द्वारा इस राशि को बढ़ाकर 200 अरब डॉलर करने की घोषणा की गई है।
- विश्व बैंक ने राशि दोगुनी करने की घोषणा जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के समिट में की थी।
- विश्व बैंक द्वारा जारी बयान में कहा गया कि लगभग 100 अरब डॉलर सीधे विश्व बैंक के फंड किए जाएंगे।
- इसके अलावा शेष राशि को विश्व बैंक की दो एजेंसी से जुटाया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों ने विकासशील देशों में निवेश करने पर सहमति जताई थी।
- वर्ष 2020 तक के लिए 100 बिलियन डॉलर दिए जाने हैं। वर्ष 2016 में 48.5 बिलियन डॉलर और 2017 में 56.7 बिलियन डॉलर दिए गए थे।
- 200 में से 100 बिलियन डॉलर की रकम विश्व बैंक की तरफ से दी जाएगी। इसके अलावा बाकी पैसा वर्ल्ड बैंक की जुड़ी एजेंसियों से जुटाया जाएगा।
- विश्व बैंक के सीनियर डायरेक्टर जॉन रूमे के अनुसार यदि हम उत्सर्जन कम करने में नाकाम रहते हैं तो 2030 तक 10 करोड़ लोग गरीबी में पहुंच जाएंगे।
- अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका से 13 करोड़ लोग पलायन कर चुके हैं।
- विकासशील देशों के सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों तक मदद पहुंचती रहे, इसके लिए विश्व बैंक एक ढांचा बनाना चाहता है।
- विश्व बैंक स्मार्ट खेती और पानी की उपलब्धता के लिए निवेश

Committed To Excellence

करेगा।

नासा का ओसीरिस-रेक्स यान

साइंस डेली, (04 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में नासा का महत्वाकांक्षी यान ओसीरिस-रेक्स (OSIRIS-Reñ) लगभग दो वर्ष की यात्रा के बाद क्षुद्र ग्रह (asteroid) बेन्नू पर पहुँच गया है।
- ओसीरिस-रेक्स ने यहां पहुंच कर हीरे के आकार की एक चट्टान का चित्र लिया तथा उसे धरती पर भेजा।
- यह अंतरिक्ष यान आने वाले दिनों में 31 दिसंबर तक को बेन्नू की कक्षा के चारों ओर चक्कर लगाएगा।
- अभी तक कोई भी अंतरिक्ष यान इस तरह के एक छोटे से क्षुद्रग्रह की कक्षा तक नहीं पहुँच पाया है।

क्या है ओसीरिस-रेक्स?

- नासा द्वारा फ्लोरिडा के केप केनेवरल एयरफोर्स स्टेशन से 8 सितंबर 2016 को अंतरिक्ष यान ओसीरिस-रेक्स को एटलस-यू रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया।
- इस अंतरिक्ष यान का निर्माण लॉकहीड मार्टीन स्पेस सिस्टम्स द्वारा किया गया है।
- ओसीरिस-रेक्स का पूरा नाम-ओरिजिंस, स्पेक्ट्रल इंटरप्रीटेशन, रिसोर्स आईडेंटीफिकेशन, सिक्योरिटी-रेगोलिथ एक्सप्लोरर एस्टेरॉयड सैंपल रिटर्न मिशन है।
- नासा के इस अंतरिक्ष मिशन के द्वारा पृथ्वी के समीप के क्षुद्रग्रह बेन्नू से नमूने का संग्रहण एवं उनका अध्ययन किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- किसी भी क्षुद्र ग्रह के नमूने को एकत्रित कर पृथ्वी पर भेजने और लौटने के लिये अमेरिका द्वारा किया गया पहला प्रयास है। इससे पूर्व केवल जापान ने इस क्षेत्र में प्रयास किये हैं।
- वर्ष 2020 में वैज्ञानिक इस यान द्वारा जुटाए गए नमूने एकत्र करेंगे और 2023 तक यह पृथ्वी पर लौट आएगा।
- वैज्ञानिक, बेन्नू जैसे कार्बन समृद्ध क्षुद्र ग्रह की सामग्री का अध्ययन करने के लिये उत्सुक हैं, जो 4.5 अरब साल पहले हमारे सौर मंडल की शुरुआती निर्माण का प्रमाण है।
- हाल ही में जापानी अंतरिक्ष यान 'रायगु' के बारे में भी घोषणा की गई है जो जून के बाद क्षुद्र ग्रहों के नमूने एकत्रित करने के लिये पृथ्वी से रवाना होगा। यह जापान का दूसरा क्षुद्र ग्रह मिशन है।

क्या होता है क्षुद्र ग्रह?

- मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के मध्य सूर्य की परिक्रमा करने वाले छोटे-छोटे पिंडों को क्षुद्र ग्रह कहा जाता है।
- अनियमित आकार वाले ये क्षुद्र ग्रह सूर्य की परिक्रमा दीर्घवृत्तीय कक्षा में करते हैं।
- क्षुद्र ग्रह निर्माणकारी तत्त्वों के अवशेष हैं जिनमें जल, कार्बनिक तत्त्व, धातुएँ आदि प्राकृतिक संसाधन निहित होते हैं। बेन्नू भी एक क्षुद्र ग्रह है जिसे '1999 RQ36' के नाम से भी जाना जाता है।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. हाल ही में चर्चा में रहें 'स्पेसएक्स अंतरिक्ष अनुसंधान इकाई' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
   (i) यह एक निजी दक्षिण कोरिया एयरोस्पेस निर्माता और अंतरिक्ष परिवहन सेवा प्रदाता कम्पनी है।
   (ii) एक साथ सबसे ज्यादा उपग्रह प्रक्षेपित करने के मामले में इससे के बाद यह दूसरे स्थान पर है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i), न ही (ii)

2. हाल ही में चर्चा में रहे 'मेकेदातु बाँध परियोजना' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
   (i) यह कर्नाटक सरकार की परियोजना है, जो कावेरी नदी के तट पर बसे रामनगरम जिले में स्थित है।
   (ii) इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलुरु को पेयजल उपलब्ध कराना तथा भूगर्भ जल के स्तर को ऊँचा करना है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i), न ही (ii)

3. हाल ही में चर्चा में रहे 'रेगे संगीत शैली' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) यह जमैका की संगीत शैली है, जिसका उद्गम समाज के वंचित लोगों के संगीत से हुआ है।
(ii) हाल ही में यूनेस्को ने इस संगीत शैली को अपनी सूची में स्थान दिया है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i), न ही (ii)

4. हाल ही में 'जीसैट -11' सैटेलाइट प्रक्षेपित किया गया। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) इस उपग्रह को फ्रेंच गुयाना के कौरू में स्थित एरियन प्रक्षेपण केन्द्र से प्रक्षेपित किया गया।
(ii) इस सैटेलाइट को प्रक्षेपित करने का मुख्य उद्देश्य इंटरनेट की गति को बढ़ाना है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i), न ही (ii)

5. हाल ही में सम्पन्न हुआ 'कोप-24' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) इस वर्ष यह सम्मेलन पोलैंड के कैटोविस शहर में आयोजित किया गया।
(ii) यह सम्मेलन यूएनएफसीसीसी के प्रावधानों के क्रियान्वयन एवं उसकी समीक्षा सुनिश्चित करता है।
(iii) इस सम्मेलन में एक 'भारतीय पवेलियन' भी लगाया था जिसका थीम-'एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड' था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (ii) (b) (i) और (ii)
(c) (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
(i) यूएनएफसीसीसी एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विषयक संधि हैं, जिसका उद्देश्य जलवायु प्रणाली में मानव के खतरनाक हस्तक्षेप को रोकना है।
(ii) हाल ही में विश्व बैंक वर्ष 2021-25 के लिए जलवायु परिवर्तन की मुसिबत से निपटने के लिए फंडिंग को दोगुना करने का निर्णय लिया।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i), न ही (ii)

7. हाल ही में नासा का महत्त्वाकांक्षी यान 'ओसीरिस-रेक्स' प्रक्षेपित किया गया, जिसका सम्बन्ध है-
(a) मंगल ग्रह के ऊपरी सतह के अध्ययन हेतु
(b) चन्द्रमा के ऊपरी सतह के नीचे पानी की उपस्थिति ज्ञान करने हेतु
(c) क्षुद्र ग्रह बेन्नू के ऊपरी सतह के अध्ययन हेतु
(d) इनमें से कोई नहीं।

8. हाल ही में चर्चा में रहे 'चीफ ऑफ स्टॉफ समिति' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) यह सरकार के सैनिक परामर्शदाता होते हैं जो तीनों सेनाओं की ओर से नियुक्त होगा।
(ii) यह तीनों सेनाओं के मध्य बेहतर समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देगा।
(iii) इनके हाथ में आण्विक हथियारों का कमांड के साथ-साथ ये अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के कमांडर भी होंगे।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (i) (b) (i) केवल (ii)
(c) (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

9. हाल ही में चर्चा में रहे 'हरित जलवायु कोष' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
(i) इसकी स्थापना वर्ष 2010 में विकसित देशों से धन लेकर विकासशील राष्ट्रों को मुहैया कराना, जिससे जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित संकट को कम कर सके।
(ii) यह कोष ऐसे विकास को बढ़ावा देता है जिससे उत्सर्जन कम हो और जिसमें जलवायु परिवर्तन को झेलने की क्षमता हो।
(iii) इसका लक्ष्य वर्ष, 2020 तक जलवायु के लिए 500 बिलियन डॉलर की राशि जमा करना।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल (ii) (b) (i) और (ii)
(c) (ii) और (iii) (d) उपर्युक्त सभी

GS World Committed To Excellence